SAMPLE QUESTION PAPER - 2
Hindi A (002)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
- खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

हरियाणा के पुरातत्व विभाग द्वारा किए गए अब तक के शोध और खुदाई के अनुसार लगभग 5500 हेक्टेयर में फैली यह राजधानी ईसा से लगभग 3300 वर्ष पूर्व मौजूद थी। इन प्रमाणों के आधार पर यह तो तय हो ही गया है कि राखीगढ़ी की स्थापना उससे भी सैकड़ों वर्ष पूर्व हो चुकी थी।

अब तक यही माना जाता रहा है कि इस समय पाकिस्तान में स्थित हड़प्पा और मोहनजोदड़ो ही सिंधुकालीन सभ्यता के मुख्य नगर थे। राखीगढ़ी गाँव में खुदाई और शोध का काम रुक-रुक कर चल रहा है। हिसार का यह गाँव दिल्ली से मात्र एक सौ पचास किलोमीटर की दूरी पर है। पहली बार यहाँ 1963 में खुदाई हुई थी और तब इसे सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा नगर माना गया। उस समय के शोधार्थियों ने सप्रमाण घोषणाएँ की थीं कि यहाँ दबे नगर, कभी मोहनजोदड़ो और हड़प्पा से भी बड़े रहे होगें ।अब सभी शोध विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि राखीगढ़ी, भारत-पाकिस्तान और अफगानिस्तान का आकार और आबादी की दृष्टि से सबसे बड़ा शहर था। प्राप्त विवरणों के अनुसार समुचित रूप से नियोजित इस शहर की सभी सड़के 1.92 मीटर चौड़ी थीं। इनकी चौड़ाई कालीबंगा की सड़कों से भी ज्यादा है। एक ऐसा बर्तन भी मिला है, जो सोने और चाँदी की परतों से ढका है। इसी स्थल पर एक 'फाउंड्री' के भी चिह्न मिले हैं। जहाँ संभवतः सोना ढाला जाता होगा। इसके अलावा टैराकोटा से बनी असंख्य प्रतिमाएँ, ताँबे के बर्तन और कुछ प्रतिमाएँ और एक 'फर्नेस' के अवशेष भी मिले हैं। मई 2012 में 'ग्लोबल हैरिटेज फंड' ने इसे एशिया के दस ऐसे विरासत-स्थलों की सूची में शामिल किया है, जिनके नष्ट हो जाने का खतरा है।

राखीगढ़ी का पुरातात्विक महत्व विशिष्ट है। इस समय यह क्षेत्र पूरे विश्व के पुरातत्व विशेषज्ञों की दिलचस्पी और जिज्ञासा का केंद्र बना हुआ है। यहाँ बहुत से काम बकाया हैं जो अवशेष मिले हैं, उनका समुचित अध्ययन अभी शेष है। उत्खनन का काम अब भी अधूरा है।

1. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): राखीगढ़ी सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा नगर था।

कारण (R): राखीगढ़ी की सड़कों की चौड़ाई कालीबंगा की सड़कों से अधिक थी।

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

2. राखीगढ़ी की खोज और उत्खनन के महत्व को समझाने के लिए उचित कथन चुनें:

I. राखीगढ़ी में सोने की फाउंड्री के अवशेष मिले हैं।

II. इसे सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा नगर माना जाता है।

III. यह ग्लोबल हैरिटेज फंड की खतरे वाले स्थलों की सूची में शामिल है।

IV. राखीगढ़ी का उत्खनन 1963 में आरंभ हुआ।

विकल्प:

i. कथन I, II और III सही हैं।

ii. कथन II, III और IV सही हैं।

iii. सभी कथन सही हैं।

iv. केवल कथन II और IV सही हैं।

3. कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कर सही विकल्प का चयन करें:

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. राखीगढ़ी का उत्खनन आरंभ हुआ	1 - 1963
II. राखीगढ़ी में चौड़ी सड़कें थीं	2 - 1.92 मीटर
III. राखीगढ़ी की खोज के अवशेष	3 - सोने की फाउंड्री

विकल्प:

i. I (1) II (3) III (2)

ii. I (1) II (2) III (3)

iii. I (2) II (1) III (3)

iv. I (3) II (1) III (2)

4. अब सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा नगर किसे मानने की संभावनाएँ हैं और क्यों? (2)

5. यह किस प्रकार स्पष्ट होता है कि राखी गढ़ी में नगर व्यवस्था विकसित थी ? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[7]**

मैं तो मात्र मृत्तिका हूँ-
जब तुम मुझे पैरों से रौंदते हो।
तथा हल के फाल से विदीर्ण करते हो
तब मैं-
धन-धान्य बनकर मातृरूपा हो जाती हूँ।
पर जब भी तुम
अपने पुरुषार्थ-पराजित स्वत्व से मुझे पुकारते हो
तब मैं
अपने ग्राम्य देवत्व के साथ विन्मयी शक्ति हो जाती हूँ
प्रतिमा बन तुम्हारी आराध्या हो जाती हूँ।
विश्वास करो
यह सबसे बड़ा देवत्व है कि
तुम पुरुषार्थ करते मनुष्य हो
और में स्वरूप पाती मृत्तिका।

1. पुरुषार्थ को सबसे बड़ा देवत्व क्यों कहा गया है? (1)

i. क्योंकि पुरुषार्थ हर सफलता का मूलमंत्र है।

ii. क्योंकि पुरुषार्थ ही सबसे बड़ा देव है।

iii. क्योंकि पुरुषार्थ सफलता का मूलमंत्र नहीं है।

iv. सभी विकल्प सही हैं।

2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): काव्यांश में मृत्तिका (मिट्टी) का रूप परिवर्तन उसके पुरुषार्थ और स्वत्व के आधार पर होता है।

कारण (R): मृत्तिका पुरुषार्थ द्वारा देवत्व प्राप्त करती है और इसी रूप में वह आराध्य बन जाती है।

विकल्प:

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है?

I. काव्यांश में मृत्तिका को मातृरूपा और देवत्व का रूप प्रदान किया गया है।

II. काव्य में मृत्तिका को पुरुषार्थ के बिना कोई रूप नहीं मिल सकता।

III. मृत्तिका का देवत्व पुरुषार्थ की विजय का प्रतीक है।

IV. मृत्तिका और पुरुषार्थ का संबंध केवल उसके भौतिक उपयोग तक सीमित है।

विकल्प:

i. कथन I, II और III सही हैं।

ii. केवल कथन III सही है।

iii. केवल कथन I और III सही हैं।

iv. कथन II और IV सही हैं।

4. मिट्टी कब और कैसे चिन्मयी शक्ति बन जाती है? (2)

5. मिट्टी को मातृरूपा क्यों कहा गया है ? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निर्देशानुसार किन्हीं चार के उत्तर लिखिए:** **[4]**

i. वे इंदौर से अजमेर आ गए, जहाँ उन्होंने अपने अकेले के बल-बूते अधूरे काम को आगे बढ़ाया। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए)

ii. कानाफूसी हुई और मूर्तिकार को इजाज़त दे दी गई। (सरल वाक्य में बदलिए)

iii. अगली बार जाने पर भी मूर्ति की आँखों पर चश्मा नहीं था। (मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए)

iv. हालदार साहब जीप में बैठकर चले गए। (संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए)

v. मैंने कहा कि मैं स्वतंत्रता सेनानियों के अभावग्रस्त जीवन के बारे में सब जानती हूँ। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए।)

4. निम्नलिखित में से **किन्ही चार** वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए : **(1x4=4)** **[4]**

i. हालदार साहब ने पान खाया। **(कर्मवाच्य में बदलिए)**

ii. दादा जी प्रतिदिन पार्क में टहलते हैं। **(भाववाच्य में बदलिए)**

iii. गांधी जी द्वारा विश्व को सत्य और अहिंसा का सन्देश दिया गया। **(कर्तृवाच्य में बदलिए)**

iv. पान कहीं आगे खा लेंगे। **(कर्मवाच्य में बदलिए)**

v. खिलाडी दौड़ नहीं सका। **(भाववाच्य में बदलिए)**

5. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- (1x4=4)** **[4]**

i. मूर्ति के चेहरे पर चश्मा न था।

ii. धीरे से पानवाले से पूछा।

iii. पत्थर से पारदर्शी चश्मा कैसे बनता !

iv. हमने उन्हें क्रोध में कभी नहीं देखा।

v. मानव सभ्य तभी है जब वह युद्ध से शांति की ओर आगे बढ़े।

6. निम्नलिखित काव्यांशों के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए- (किन्हीं चार) **[4]**

i. देख लो साकेत नगरी है यही,
स्वर्ग से मिलने गगन जा रही है।

ii. कल्पना सी अतिशय कोमल।

iii. जनम सिन्धु विष बन्धु पुनि, दीन मलिन सकलंक सिय मुख समता पावकिमि चन्द्र बापुरो रंक।।

iv. "सखि सोहत गोपाल के, उर गुंजन की माल।
बाहर लसत मनो पिये, दावानल की ज्वाल।।"

v. दुख है जीवन-तरु के मूल।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

पूरी बात तो अब पता नहीं, लेकिन लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज़्यादा होने के कारण काफी समय ऊहापोह और चिट्ठी-पत्री में बरबाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने की घड़ियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया होगा और अंत में कस्बे के इकलौते हाई स्कूल के इकलौते ड्राइंग मास्टर मान लीजिए, मोतीलाल जी को ही यह काम सौंप दिया गया होगा, जो महीने भर में मूर्ति बनाकर 'पटक देने' का विश्वास दिला रहे थे।

i. गद्यांश के आधार पर बताइए कि मूर्ति बनाने का अवसर किसे दिया गया?

क) सरकारी कार्यालयों को | ख) लेखक को
ग) स्थानीय कलाकार को | घ) इनमें से कोई नहीं

ii. स्थानीय कलाकार को मूर्ति बनाने का कार्य क्यों सौंपा गया?

i. देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी के अभाव में
ii. नगरपालिका बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने के कारण
iii. (i) और (ii) दोनों
iv. अच्छी मूर्ति बनाने के लिए

क) विकल्प (iii) | ख) विकल्प (i)
ग) विकल्प (ii) | घ) विकल्प (iv)

iii. मूर्ति बनाने वाले कौन थे?

क) कस्बे के हाईस्कूल के ड्राइंग मास्टर मोतीलाल जी | ख) इनमें से कोई नहीं
ग) विदेशों से बुलाए गए एक मूर्तिकार | घ) स्वयं प्रकाश जी

iv. मूर्ति बनाने के मार्ग में क्या-क्या परेशानियाँ आई होंगी?

क) अच्छे मूर्तिकारों का अभाव और उपलब्ध बजट का कम होना दोनों | ख) स्थानीय कलाकार का गुणी होना
ग) अच्छे मूर्तिकारों का अभाव | घ) उपलब्ध बजट का कम होना

v. गद्यांश के आधार पर बताइए कि मोतीलाल जी ने मूर्ति बनाने का कार्य कब पूरा करने का विश्वास दिलाया?

क) हफ्ते भर में | ख) इनमें से कोई नहीं
ग) महीने भर में | घ) सप्ताह भर में

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **बालगोबिन भगत** शीर्षक पाठ में किन सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार किया गया है? अपने शब्दों में लिखिए। **[2]**

ii. बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया? आप इनमें से किन विशेषताओं को अपनाना चाहेंगे ? कारण सहित किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए। **[2]**

iii. लेखक गाड़ी के किस डिब्बे में चढ़ गए और क्यों? लखनवी अंदाज़ पाठ के आधार पर बताइए। **[2]**

iv. **संस्कृति पाठ के अनुसार** लेखक ने पूर्वज-संतान, संस्कृत-सभ्य में किस तरह अंतर स्थापित किया है? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।।
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने।।
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू।।
रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न सँभार।
धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार।।

i. **नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा** - पंक्ति के संदर्भ में राम के चरित्र की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है?

क) सरलता	ख) वीरता
ग) विनम्रता	घ) संयम

ii. परशुराम ने शिव धनुष तोड़ने वाले को क्या चेतावनी दी?

क) राजा जनक की सभा में उसे मार डालने की	ख) राजा जनक की सभा से बाहर निकल आने की
ग) उसके साथ आजीवन शत्रुतापूर्ण व्यवहार करने की	घ) सहस्रबाहु के समान उसे अपना शत्रु समझने की

iii. **न त मारे जैहहिं सब राजा** - यह कथन परशुराम के ________ उदाहरण है।

क) गौरव का	ख) शौर्य का
ग) क्रोध का	घ) अहंकार का

iv. सेवक किसे कहा गया है?

क) कभी क्रोध न करने वाले को	ख) सेवा करने वाले को
ग) मधुर वचन बोलने वाले को	घ) विनम्रतापूर्ण व्यवहार करने वाले को

v. परशुराम की धनुष पर ममता होने का क्या कारण था?

क) अपने पिता का आशीर्वाद समझना	ख) उनके आराध्य शिव का धनुष होना
ग) उनके गुरु विश्वामित्र का धनुष होना	घ) धनुष का अत्यंत प्राचीन होना

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **अट नहीं रही है** कविता के आधार पर फागन की मस्ती का वर्णन कीजिए। **[2]**

ii. **यह दंतुरित मुस्कान** के आधार पर मुस्कान की दो विशेषताएँ समझाइए। **[2]**

iii. मुख्य गायक और संगतकार की आवाज़ में क्या अंतर दिखाई पड़ती है? **[2]**

iv. **आत्मकथ्य** काव्य में अपनी आत्मकथा के लिए कवि ने कौन-सा विशेषण प्रयोग किया है और क्यों? **[2]**

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

i. माता का ऑचल पाठ में ग्राम्य संस्कृति के जिस रूप का चित्रण है- वह आधुनिक युग में पर्याप्त अंशों में परिवर्तित हो चुका है। परिवर्तित रूप से कुछ उदाहरण देते हुए इस कथन के समर्थन में अपने विचार लिखिए। **[4]**

ii. लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया? **[4]**

iii. **साना-साना हाथ जोड़ि** पाठ के आधार पर लायुँग की प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन कीजिए और यह भी बताइए कि यह सुंदरता कैसे बची हुई है। **[4]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[6]**

i. **घर की स्तंभ है नारी** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

संकेत-बिंदु

- कैसे
- घर की आधारशिला
- घरेलू-मोतियों को जोड़ने वाला धागा

ii. **अपनी मातृभाषा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- मातृभाषा का अर्थ
- मातृभाषा की विशेषताएँ
- मातृभाषा का महत्त्व

iii. **बढ़ती जनसंख्या : गहराता संकट** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

भूमिका, वर्तमान में चर्चा का कारण, संकट कैसे, समाधान

13. केंद्रीय विद्यालय, कानपुर में निःशुल्क टीकाकरण (कोविड) की व्यवस्था की गई जिसमें क्षेत्र के 15-18 वर्ष तक के बच्चों को टीका लगाया गया। इसकी जानकारी देते हुए किसी दैनिक हिन्दी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

अपनी गलत आदतों का पश्चात्ताप करते हुए अपनी माताजी को पत्र लिखिए और उन्हें आश्वासन दिलाइए कि फिर ऐसा न होगा।

14. खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, किंग्सवे कैंप, दिल्ली के महाप्रबंधक को विक्रय प्रतिनिधि (सेल्स एक्जक्यूटिव) पद के लिए स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने क्षेत्र में जल-भराव की समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए स्वास्थ्य-अधिकारी को healthofficer@mcdonline.gov.in पर एक ईमेल लिखिए।

15. अपनी पुरानी रेसिंग साइकिल बेचने के लिए उसकी ख़ूबियाँ बताते हुए 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

आपका नाम सीमा पटेल/महेश कुलकर्णी है। आपके चाचा अपने पैतृक-गाँव में जाकर बच्चों के लिए एक विद्यालय शुरू कर रहे हैं। उनके इस कार्य की सफलता हेतु लगभग 60 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए।

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   2. iii. सभी कथन सही हैं।
   3. ii. I (1) II (2) III (3)
   4. हरियाणा के पुरातत्व विभाग के द्वारा राखीगढ़ी को सबसे बड़ा नगर माना गया है। शोध के अनुसार खुदाई में प्राप्त यह नगर व्यवस्था 55000 हेक्टेयर में फैली है। प्रमाणों के अनुसार यह व्यवस्था 33000 वर्ष से भी ज्यादा पुरानी है।
   5. राखी गढ़ी नगर का क्षेत्रफल मोहनजोदड़ों और हड़प्पा से अधिक था,उसकी सड़कें चौड़ी और अन्य नगरों से जुड़ी थी। उसकी आबादी अधिक एवं व्यवस्था पूर्ण रूप से नियोजित और विकसित थी।

2. **1.** (i) क्योंकि पुरुषार्थ हर सफलता का मूलमंत्र है।
   2. iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. i. कथन I, II और III सही हैं।
   4. जब मनुष्य मिट्टी को अपनेपन की भावना से पुकारता है तब मिट्टी चिन्मयी शक्ति कब बन जाती है।
   5. मिट्टी को मातृरूपा कहा गया है क्योंकि वह हमारा भरण - पोषण करती है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. यह वाक्य **मिश्रित वाक्य** है।
   ii. **सरल वाक्य:** कानाफूसी के बाद मूर्तिकार को इजाज़त दे दी गई।
   iii. **मिश्र वाक्य:** जब अगली बार गया, तब भी मूर्ति की आँखों पर चश्मा नहीं था।
   iv. **संयुक्त वाक्य:** हालदार साहब जीप में बैठे और चले गए।
   v. कि मैं स्वतंत्रता सेनानियों के अभावग्रस्त जीवन के बारे में सब जानती हूँ। (संज्ञा उपवाक्य)

4. i. हालदार साहब द्वारा/के द्वारा पान खाया गया।
   ii. दादा जी द्वारा/के द्वारा प्रतिदिन पार्क में टहला जाता है।
   iii. गाँधी जी ने विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया।
   iv. पान कही आगे खा लिया जाएगा।
   v. खिलाड़ी से दौड़ा नहीं जा सका/गया।

5. i. **मूर्ति:** संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
   ii. **धीरे:** क्रिया विशेषण, रीतिवाचक
   से: संबंधबोधक अव्यय
   iii. **पत्थर:** संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
   से: संबंधबोधक अव्यय
   iv. **हमने:** सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन, कर्ता कारक
   v. **मानव**- संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिग, एकवचन.
   जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

6. i. अतिशयोक्ति अलंकार
   ii. उपमा अलंकार
   iii. रूपक अलंकार
   iv. उत्प्रेक्षा अलंकार
   v. रूपक अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
पूरी बात तो अब पता नहीं, लेकिन लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज़्यादा होने के कारण काफी समय ऊहापोह और चिट्ठी-पत्री में बरबाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने की घड़ियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया होगा और अंत में कस्बे के इकलौते हाई स्कूल के इकलौते ड्राइंग मास्टर मान लीजिए, मोतीलाल जी को ही यह काम सौंप दिया गया होगा, जो महीने भर में मूर्ति बनाकर 'पटक देने' का विश्वास दिला रहे थे।

   (i) **(ग)** स्थानीय कलाकार को
   व्याख्या:
   स्थानीय कलाकार को

(ii) **(क)** विकल्प (iii)
व्याख्या:
(i) और (ii) दोनों

(iii) **(क)** कस्बे के हाईस्कूल के ड्राइंग मास्टर मोतीलाल जी
व्याख्या:
कस्बे के हाईस्कूल के ड्राइंग मास्टर मोतीलाल जी

(iv) **(क)** अच्छे मूर्तिकारों का अभाव और उपलब्ध बजट का कम होना दोनों
व्याख्या:
अच्छे मूर्तिकारों का अभाव और उपलब्ध बजट का कम होना दोनों

(v) **(ग)** महीने भर में
व्याख्या:
महीने भर में

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) 'बालगोबिन 'भगत' पाठ में बालगोबिन भगत ने अपनी पुत्रवधु से अपने बेटे को मुखाग्नि दिलाई जबकि स्त्रियों को अंतिम संस्कार करने की आज्ञा नहीं दी जाती है। है भगत ने उसके पश्चात अपनी पुत्रवधु का पुनर्विवाह करने का निश्चय किया जबकि समाज में विधवा स्त्री के पुनर्विवाह का प्रचलन नहीं है।

(ii) बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व में ऐसी अनेक विशेषताएँ हैं जिनसे हम प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकते | वे इस प्रकार हैं -
i धार्मिक उदारता - बिस्मिल्ला खां अपने धर्म के प्रति पूर्ण सजग थे | वे पाँचों वक्त की नमाज़ अदा तो अदा करते ही थे साथ ही काशी विश्वनाथ, बालाजी और गंगा मैया के प्रति भी अपार श्रद्धा और भक्ति रखते थे |
ii.बनावटीपन से दूर - भारतरत्न जैसे सर्वोच्च पुरस्कार के मिलने के बाद भी उनके व्यवहार में किसी तरह का कोई परिवर्तन नहीं आया | उनका जीवन हमें सिखाता है कि व्यक्ति को कभी अपनी कला परे अहंकार नहीं करना चाहिए तथा कभी यह नहीं समझना चाहिए कि उसकी कला-साधना का अंत हो गया। उनके जीवन से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें सांप्रदायिकता से दूर रहना चाहिए तथा बड़ी से बड़ी सफलता पाकर भी अभिमान नहीं करना चाहिए।

(iii)लेखक ने गाड़ी के सेकंड क्लास के डिब्बे में सफर करने के लिए टिकट खरीदा क्योंकि लेखक ने सोचा कि सेकंड क्लास का छोटा डिब्बा खाली होगा और उसमें एकांत भी मिलेगा। लेखक को अधिक दूर तो जाना नहीं था। वह भीड़ से बचकर एकांत में नई कहानी के संबंध में अनेक कल्पनाएं करना चाहते थे और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देखते हुए नई कहानी की रचना करना चाहते थे।

(iv)वंश-परंपरा में एक संस्कृत व्यक्ति जिस नयी चीज़ की खोज करता है वह संतान को अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति ने अपने विवेक से किसी नए तथ्य का दर्शन किया है वह वास्तविक रूप में संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान जिसे वह चीज पूर्वजों से अनायास ही प्राप्त हो गई वह व्यक्ति संस्कृत नहीं हो सकता है, सभ्य हो सकता है। इस तरह लेखक ने पूर्वज-संतान और संस्कृत-सभ्य का संबंध स्थापित किया है।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।।
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने।।
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू।।
रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न सँभार।
धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार।।

(i) **(ग)** विनम्रता
व्याख्या:
विनम्रता

(ii) **(घ)** सहस्रबाहु के समान उसे अपना शत्रु समझने की
व्याख्या:
सहस्रबाहु के समान उसे अपना शत्रु समझने की

(iii) **(घ)** अहंकार का
व्याख्या:
अहंकार का

(iv) **(ख)** सेवा करने वाले को
व्याख्या:
सेवा करने वाले को

(v) **(ख)** उनके आराध्य शिव का धनुष होना
व्याख्या:
उनके आराध्य शिव का धनुष होना

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) 'अट नहीं रही है' कविता में फागुन की मस्ती और शोभा का वर्णन है। फागुन में कहीं सुगंधित हवाएँ, कहीं फूलों की शोभा, कहीं पक्षियों की उन्मुक्त उड़ान हैं। कहीं वृक्षों पर रंग-बिरंगे फूल और पत्ते उग आए हैं। सब जगह शोभा ही शोभा बिखरी हुई है। फागुन की मस्ती सँभाले नहीं सँभल रही है।

(ii) कविता के अनुसार बच्चे की दंतुरित मुसकान भोली, निश्छल और मनोहारी होती है, यह किसी को भी अपनी ओर आकर्षित कर सकती है। यह हताश-निराश व्यक्ति में भी आशा का संचार करती है और मृतकों में भी जीवन का संचार कर देती है।

(iii) मुख्य गायक की आवाज़ चट्टान की भाँति गम्भीर व भारी होती है, इसके विपरीत संगतकार की आवाज़ मधुर, कंपनयुक्त व कमजोर होती है जो प्रत्येक कदम पर मुख्य गायक के स्वर में स्वर मिलाकर उसके स्वर को प्रभावपूर्ण बनाती है।

(iv) अपनी आत्मकथा के लिए कवि ने 'भोली' विशेषण का प्रयोग किया है क्योंकि उसमें ऐसी कोई विशेष उपलब्धि जैसी बात नहीं है, जिसे सुनकर लोग 'वाह-वाह' कह आनंदित हो उठें।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) माता का ऑचल पाठ में ग्राम्य संस्कृति के जिस रूप का चित्रण है वह आधुनिक युग में परिवर्तित हो चुकी है। संचार माध्यम व शहरी संस्कृति के कारण वहाँ के लोगों में जीवन-शैली बदल चुकी है। वहाँ के लोग भी उन आधुनिक भौतिक साधनों से संपन्न हैं जिससे शहर के लोग संपन्न हैं। संयुक्त परिवारों का स्थान अब एकल परिवारों ने ले लिया है। मकान सिमट गए हैं। कच्ची सड़कों का स्थान अब पक्की सड़कों ने ले लिया है | गाँव में अब बिजली की भी व्यवस्था है | वहाँ के बच्चे अब मोबाइल, लैपटॉप, आइपैड का प्रयोग करने लगे हैं। खेल व खेलने की सामग्री बदल गई है। खेल व खिलौने मंहगे हो गए है। वहाँ के नागरिक आज हर क्षेत्र की जानकारी रखते है, वे परिवेश के प्रति जागरूक हैं। बैंक की सुविधा उन्हें प्राप्त है। उत्तम खाद बीज व कृषि-साधनों का प्रयोग करते है। किसान अब पढ़-लिख गया है | अपनी शिक्षा का प्रयोग वे अब खेती में करने हैं |

(ii) लेखक हिरोशिमा के बम-विस्फोट के परिणामों को अख़बारों में पढ़ चुका था। लेखक ने अपनी जापान यात्रा के दौरान हिरोशिमा का दौरा किया था। वह उस अस्पताल में भी गया जहाँ आज भी उस भयानक विस्फोट से पीड़ित लोगों का इलाज हो रहा था। इस अनुभव द्वारा लेखक को, उसका भोक्ता बनना स्वीकार नहीं था। कुछ दिन पश्चात् जब उसने किसी स्थान पर एक बड़े से पत्थर पर एक व्यक्ति की उजली छाया देखी, संभवत: विस्फोट के समय कोई व्यक्ति उस स्थान पर खड़ा रहा होगा। विस्फोट से विसर्जित रेडियोधर्मी पदार्थ ने उस व्यक्ति को भाप बनाकर उड़ा दिया और पत्थर को झुलसा दिया। इस प्रकार जैसे समूची दुर्घटना उस पत्थर पर लिखी गई हो। इस प्रत्यक्ष अनुभूति ने लेखक के हृदय को झकझोर दिया। इस प्रकार लेखक हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता बन गया।

(iii) लायुंग गगनचुंबी पहाड़ों के तले एक छोटी-सी शांत बस्ती थी। दौड़ भाग भरी जिंदगी से दूर शांत और एकांत जगह। लेखिका अपनी थकान उतारने के लिए तीस्ता नदी के किनारे एक पत्थर के ऊपर जा कर बैठ गई। रात होने पर गाइड नार्गे के साथ अन्य लोगों ने नाचना-गाना शुरू कर दिया। लेखिका की सहेली मणि ने भी बहुत सुंदर नृत्य किया। लायुंग में लोगों की आजीविका का मुख्य साधन पहाड़ी आलू, धान की खेती और शराब ही है। यहाँ की सुंदरता के बचे रहने का कारण यहाँ के लोग हैं जिन्होंने अभी तक इसके सौंदर्य को बचाये रखा है।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) **घर की स्तंभ है नारी**

नारी घर की एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है। वह घर के हर पहलू में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे घर की समृद्धि और खुशहाली सुनिश्चित होती है।

कैसे: नारी कैसे घर की स्तंभ होती है, यह उसकी बहुपरकारी भूमिकाओं से स्पष्ट होता है। वह न केवल परिवार के सदस्य की देखभाल करती है, बल्कि घरेलू कार्यों, जैसे खाना पकाना, सफाई और बच्चों की शिक्षा का ध्यान भी रखती है। उसकी मेहनत और समर्पण से घर की रोजमर्रा की जिंदगी सुचारू रूप से चलती है।

घर की आधारशिल: नारी घर की आधारशिला भी है। उसके बिना घर का वातावरण अस्थिर हो सकता है। वह परिवार के सदस्य को एकजुट रखने, उनके सुख-दुख में सहभागी बनने और उनके लिए एक सस्नेह वातावरण प्रदान करने का कार्य करती है।

घरेलू-मोतियों को जोड़ने वाला धागा: नारी घरेलू मोतियों को जोड़ने वाला धागा भी है। वह परिवार के रिश्तों को मजबूती प्रदान करती है और सामाजिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक मूल्य को संजोए रखती है। उसकी उपस्थिति से घर में एकता और प्यार का अहसास होता है, जो परिवार को एकजुट बनाए रखता है।

इस प्रकार, नारी घर की स्थिरता, समृद्धि और खुशी की महत्वपूर्ण कुंजी होती है।

(ii) **अपनी मातृभाषा**

मातृभाषा वह भाषा है जो मनुष्य बचपन से मृत्यु तक बोलता है घर परिवार में बोली जाने वाली भाषा ही हमारी मातृभाषा है। भाषा संप्रेषण का एक माध्यम होती है जिसके द्वारा हम अपने विचारों का आदान प्रदान करते है और अपनी मन की बात दूसरों के समक्ष रखते है। जो शब्द रूप में सिर्फ अभिव्यक्त ही नहीं बल्कि भाव भी स्पष्ट करती है। एक नन्हा सा बालक अपनी मुख से वही भाषा बोलता है जो उसके घर परिवार में बड़े लोग बोलते है। इस भाषा का प्रयोग करके वह अपने विचारों को अपने माता पिता को अपनी मुख से उच्चारण कर बताता है।

हमे अपनी मातृभाषा को कभी भी नही भुलाना चाहिए। जिस तरह से एक गाय का दूध माँ का दूध नही हो सकता और न ही माँ का दूध गाय का दूध हो सकता है। हमारी मातृभाषा हमारी अपनी भाषा है जिसको सदैव याद रखना कि किस तरह से गांधीजी ने विदेशी भाषा का विरोध किया था। गांधीजी ने कहा था कि यदि हमारा स्वराज अंग्रेजी की तरफ जाता है तो हमे अपनी राष्ट्र भाषा को अंग्रेजी कर देना चाहिए, यदि हमारा स्वराज हिंदी की तरफ जाता है तो हमे अपनी राष्ट्र भाषा को हिंदी कर देना चाहिए। इस बात कि परिवर्तित स्थितियों ने भाषा पर बहस को जन्म दिया है। जीवन में आधुनिकता के प्रवेश ने कई क्षेत्रों के स्वरूपों को प्रभावित करने का कार्य किया है। इसी क्रम में आधुनिकता मातृभाषा को मात्र भाषा बनाने की दिशा में कोई कसर शेष नहीं रखना चाहती। किंतु इन सबके बाद भी हमारी मातृभाषा के महत्व पर कोई आँच नहीं आई है।
मातृभाषा के प्रति महात्मा गांधी कहते थे कि हृदय की कोई भी भाषा नहीं है हृदय हृदय से बातचीत करता है और हिंदी हृदय की भाषा है यह पूर्णता सत्य है। हिंदी में वह क्षमता है जो आँखों से बहते आँसू धारा का वर्णन इस रूप में करती है कि उसे पढ़ने वाले पाठक को आँसू बहा रहे व्यक्ति की मन स्थिति का बोध हो जाता है। क्या किसी अन्य भाषा के भाव हृदय तल तक महसूस किए जा सकते हैं?

(iii) **बढ़ती जनसंख्या : गहराता संकट**

भूमिका: बढ़ती जनसंख्या आजकल एक प्रमुख चिंता का विषय बन चुकी है। जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ रही है, संसाधनों पर दबाव भी बढ़ रहा है, जिससे अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।
वर्तमान में चर्चा का कारण: आधुनिक युग में जनसंख्या वृद्धि की दर में तेज़ी आई है। विश्व की जनसंख्या अरबों में पहुँच गई है, और इसका सीधा असर हमारे संसाधनों पर पड़ रहा है। अधिक जनसंख्या का मतलब है कि अधिक खाद्य, पानी, और आवास की आवश्यकता, जो हमारी सीमित संसाधनों पर भारी दबाव डालती है।
संकट कैसे: बढ़ती जनसंख्या से कई संकट उत्पन्न हो रहे हैं। पर्यावरणीय समस्याएँ, जैसे कि वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन, और प्रदूषण, बढ़ रही हैं। जीवन की गुणवत्ता में कमी आ रही है, और सामाजिक असमानताएँ भी बढ़ रही हैं। अधिक जनसंख्या का अर्थ है अधिक भीड़भाड़, कम रोजगार के अवसर, और गरीब और अमीर के बीच बढ़ती खाई।
समाधान: इस संकट से निपटने के लिए जनसंख्या नियंत्रण के उपाय जरूरी हैं। परिवार नियोजन, शिक्षा, विशेषकर महिलाओं की शिक्षा, और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच को बढ़ाना चाहिए। साथ ही, संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और पुनर्चक्रण को प्रोत्साहित करना भी महत्वपूर्ण है। इन प्रयासों से हम जनसंख्या वृद्धि के प्रभावों को कम कर सकते हैं और एक स्थिर भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

13. 112, मंगल विहार
पनकी, कानपुर
दिनांकः 12/XX20XX
संपादक महोदय,
दैनिक जागरण,
पनकी, कानपुर
विषय: निःशुल्क टीकाकरण (कोविड) की जानकारी देने हेतु।
महोदय,
निवेदन है कि कानपुर में 15 से 18 वर्ष तक के किशोरों का कोविड टीकाकरण शुरू हो चुका है। इसी तत्वाधान में पनकी के केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 4 में निःशुल्क टीकाकरण (कोविड) की व्यवस्था की गई जिसमें क्षेत्र के 15-18 वर्ष तक के बच्चों को टीका लगाया गया। दोपहर तीन बजे तक करीब 160 किशोरों को टीका लगाया गया। सुरक्यषा के लिए यह लगवाना आवश्यक है। इसी बात का समर्थन करते हुए इस कैंप की व्यवस्था की गई। विद्यालय के अतिरिक्त अन्य किशोरों ने भी इस कैंप का लाभ उठाया।
आशा करता हूँ कि आप मेरे इस पत्र को अपने समाचार पत्र में स्थान देंगे।
धन्यवाद
भवदीय
क.ख.ग.

अथवा

रीठोला, नई दिल्ली
२४ मार्च २०१९
आदरणीया माताजी,
चरण कमल स्पर्श
कल २३ मार्च की शाम को मैं बाज़ार गया था वहाँ एक दुकान के काउंटर पर किसी का सुंदर पेन देखकर मेरा मन ललचा गया और आपको पता है कि पेन इकट्ठा करने का मुझे कितना शौक है इसीलिए मैंने बिना कुछ सोचे समझे उसे उठा लिया यद्यपि मैं सिर्फ उसे अपने हाथों में देखना चाहता था,वहाँ बहुत भीड़ थी और पेन न पाकर दुकानदार ने शोर मचा दिया और लोग मुझे देख रहे थे क्योंकि मैं उस पेन को देखने में व्यस्त था। मुझे बड़ी शर्मिंदगी हुई और इससे पूरे परिवार का नाम बदनाम हुआ। मुझे खेद है कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।
अतः आपसे क्षमा याचना करता हूँ। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होगी।
आपका आज्ञाकारी बेटा
दिनेश

14. प्रति,
महाप्रबंधक
खादी ग्रामोद्योग
किंग्सवे कैंप, दिल्ली।

विषय- विक्रय प्रतिनिधि पद हेतु आवेदन-पत्र।
महोदय,
दिनांक 05 मई, 20xx के ‘पंजाब केसरी’ समाचार-पत्र से ज्ञात हुआ कि गांधी जयंती के अवसर पर खादी एवं हथकरघा की बनी वस्तुओं की बिक्री बढ़ाने हेतु इस बोर्ड को विक्रय प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। इस पद के लिए मैं भी आवेदन-पत्र भेज रहा हूँ। मेरा संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है-
नाम - राजेश सैनी
पिता का नाम - श्री फूल सिंह सैनी
जन्मतिथि - 15 दिसंबर, 1991
पता - wz15, मौर्या इंक्लेव, पीतमपुरा, दिल्ली।
शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० बोर्ड	2006	74%
बारहवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई० बोर्ड	2008	80%
बी.बी.ए.	बिहार टेक्नीकल विश्वविद्यालय	2011	86%
एम.बी.ए.	बिहार टेक्नीकल विश्वविद्यालय	2013	82%

अनुभव- भारत हैंडलूम में अंशकालिक विक्रय प्रतिनिधि - दो साल।
घोषणा- उपर्युक्त विवरण पूर्णतया सत्य है। इसमें न कुछ झूठ है और न छिपाया गया है। मैं आपको आश्वस्त करता हूँ कि सेवा का मौक़ा मिलने पर मैं आपको पूर्णतया संतुष्ट रखने का प्रयास करूँगा।
धन्यवाद
राजेश सैनी
हस्ताक्षर ....
दिनांक 06 मई, 20xx
संलग्न- समस्त प्रमाण पत्रों एवं अनुभव प्रमाणपत्र की छाया प्रति।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: healthofficer@mcdonline.gov.in
CC ...
BCC ...
विषय - जल भराव की समस्या के सन्दर्भ में
महोदय,
इस मानसून की बारिश के कारण आवासीय कालोनी सरोजिनी नगर, दिल्ली के सेक्टर 20, 22, 23 में जगह-जगह पानी भर गया है। चारों ओर गंदगी का साम्राज्य हो जाने से मच्छरों को भी प्रश्रय मिल रहा है। यही नहीं जल भराव के कारण सड़के भी टूट-फूट गई हैं जिसके कारण यातायात व बच्चों को स्कूल जाने में भी असुविधा हो रही है। दैनिक जीवन पूर्ण रुप से अस्त व्यस्त है। अतएव आपसे निवेदन है कि आप उन्हें राहत पहुँचाएँ ताकि उनका जीवन सुचारु रुप से चल सके।
पवन

15.

पुरानी साइकिल खरीदे वाजिब दाम में

विशेषताएँ:
- हीरो कंपनी की साइकिल
- सीट आरामदायक
- आकर्षक डिज़ाइन, मज़बूत
- केवल दो महीने चलाई हुई

संपर्क करें: 12, सिविल लाइन्स, जयपुर
संपर्क सूत्र: 1234XXXX23

अथवा

दिनांकः 3/XX/20XX
समय : शाम 4 बजे
प्रिय चाचा,
बहुत-बहुत शुभकामनाएँ आपके पैतृक-गाँव में विद्यालय की शुरुआत के लिए। आपका यह कार्य न केवल शिक्षा को बढ़ावा देगा, बल्कि गाँव के बच्चों के भविष्य को भी रोशनी देगा। आपके प्रयासों से समृद्धि और सामाजिक सुधार हो, यही कामना करता हूँ।
शुभकामनाएँ,
सीमा पटेल/महेश कुलकर्णी